भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

सैन्य कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 230

02 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

समुद्री सुरक्षा

230. कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने अरब सागर में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय पहल की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) और (ख) : जी, हां । भारतीय नौसेना की टुकड़ियों की समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने के लिए हिन्द महासागर क्षेत्र (आईओआर) में हमारे हित के क्षेत्रों में अभियान आधारित परिनियोजन में नियमित रूप से तैनाती की जाती है । इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना की टुकड़ियां समुद्री अधिकार क्षेत्र में जागरूकता में वृद्धि के लिए निगरानी करती हैं और उत्पन्न हो सकने वाली आकस्मिकताओं का समाधान करती हैं । वर्ष 2008 से भारतीय नौसेना ने जलदस्युता गश्त के लिए अदन की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तट पर टुकड़ियां तैनात की है । कुल 3440 पोतों और 25000 से अधिक समुद्री यात्रियों का सुरक्षित मार्गरक्षण किया है ।

(ग) और (घ) : जी, हां । भारतीय नौसेना हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय और क्षेत्र से बाहर की नौसेनाओं/समुद्री बलों के साथ अग्रसक्रियतापूर्वक सम्पर्क में है । भारतीय नौसेना द्वारा समुद्री सुरक्षा में वृद्धि करने और गैर-पारंपरिक खतरों

का एक संगठित और सहयोगात्मक ढंग से सामना करने के लिए मित्र राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय/बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास, संयुक्त ईईजेड निगरानी, समन्वित गश्तें (सीओआरपीएटी) की जा रही हैं । इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा के सुदृढ़ीककरण हेतु सूचना मिलन केन्द्र – हिन्द महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) की स्थापना की है, जिसका समुद्री सुरक्षा में वृद्धि के लिए वास्तविक समय में सूचना आदान-प्रदान के लिए 25 साझेदार राष्ट्रों और 40 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय बहुराष्ट्रीय संगठनों के साथ अनुबंध है । इसके अतिरिक्त, क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा की वर्तमान स्थिति के कारण भारतीय नौसेना की टुकड़ियों की जिबूती से लगी/अदन की खाड़ी, सोमालिया के पूर्वी तट से लगे/उत्तरी/मध्य अरब सागर में व्यापारिक जलयानों की सुरक्षा/यदि आवश्यक हो, तो सहायता प्रदान करने के लिए तैनाती की जा रही है । इसके अलावा, आक्रमणों/घटनाओं में लिप्त स्रोतों/कारणों/व्यक्तियों की पहचान करने के लिए मित्र राष्ट्रों के साथ सूचना आदान-प्रदान/आसूचना भी साझा की जा रही है ।

*****